Your Imagination, we Print...

JAY graphics & printers

COMMERCIAL PRINTERS

C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

GANDHINAGAR

पाटनगर उदय

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो.नं. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो.नं. 97269 63888

• वर्ष : 10 • अंक : 288 • दिनांक : 24-07-2026, FRIDAY • पेज : 04 • मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'

दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये

सम्पर्क करें : गांधीनगर कार्यालय

403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.

अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेलवे क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.

मोबाईल नं. : 93288 95485

email:- patnagaruday@gmail.com

• कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या • Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR (GUJ) ई-मेलः patnagaruday@gmail.com

ईंट-पत्थर चले, हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस से भिड़े कांग्रेसी

देशभर में पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन :बिहार के कटिहार में स्टूडेंट्स पर लाठीचार्ज

»नई दिल्ली

NEET पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर देश के विभिन्न राज्यों में गुरुवार को भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। बिहार के कटिहार में DM ऑफिस के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ है। छात्र अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे।

पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो ईंट-पत्थर चलाए गए। वहीं हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस की कांग्रेसियों से झड़प हो गई। छत्तीसगढ़, झारखंड और राजस्थान में भी प्रदर्शन हुए। बेगूसराय में प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया है। छात्र गेट पर चढ़ गए हैं। पुलिस सभी से पीछे हटने की अपील करती रही।

पटना कॉलेज के पास छात्र फिर सड़कों पर उतरे। अशोक राजपथ पर जाम लगा दिया है। थोड़ी देर बाद पुलिस ने छात्रों को डिटेन किया। उन्हें बस में भरकर ले जाया जा रहा है। इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्र ने कहा कि जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे, हम लोग पीछे हटने वाले नहीं हैं। राजस्थान के बांसवाड़ा में नीट पेपर लीक के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस और भारत आदिवासी पार्टी (BAP) के कार्यकर्ताओं ने बांसवाड़ा में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी पहले कुशलबाग में एकत्रित हुए और वहां से रैली निकालकर दोपहर करीब 12:45 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच विवाद हो गया। मामला बढ़ने पर झड़प हुई और हालात बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया।

रायपुर में भाजपा और कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान हुए बवाल के बाद पुलिस ने कांग्रेस के 12 नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया।

साथ ही कांच की बोतलें, लकड़ी और जूते भी फेंके। जिससे 16 पुलिस

अधिकारी और कर्मचारी घायल हो गए। खम्हारडीह थाना प्रभारी की शिकायत पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हरियाणा के गुरुग्राम में लघु सचिवालय में ज्ञापन देने जा रहे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गेट पर ही रोक लिया। इसे लेकर पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इसे लेकर कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इसके कांग्रेसी वहां लगाई बैरिकेड हटाकर डीसी दफ्तर पहुंच गए।

उधर, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स क्लास छोड़कर रोष मार्च निकला रहे हैं। इसे देखते हुए यूनिवर्सिटी का सेकेंड गेट बंद कर सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। नीट और जेपीएससी में कथित गड़बड़ियों को लेकर रांची में भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गए हैं।

कल भाजपा ने कांग्रेस ऑफिस का घेराव किया तो गुरुवार आज कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय का घेराव करने पहुंच गई।

इसे देखते हुए हरमू रोड स्थित भाजपा कार्यालय के पास बीजेपी कार्यकर्ताओं ने भी मोर्चा संभाल लिया। कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। दोनों ओर से नारेबाजी हुई। पत्थर, टमाटर, अंडे और पानी की बोतलें फेंकी गईं। इस दौरान एक पत्रकार को चोट लग गई।

देश भर में NEET सहित प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के मामलों को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच PM नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया किस पेपर लीक मामलों के दोषियों को सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे। इस पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसे 'शिक्षा तंत्र की तबाही' छिपाने की कोशिश करार दिया।

सूरत उत्तराण पुलिस इंस्पेक्टर एन. जी. पटेल की मानवीय पहल

सड़क दुर्घटना में घायल वृद्ध महिला और उनके पुत्र को तत्काल अस्पताल पहुंचाया

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे.बी.टांक, पत्रकार, सूरत

सूरतः सूरत शहर पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मानव सेवा में भी सदैव अग्रणी रहती है। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण उत्तराण पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर श्री एन. जी. पटेल ने प्रस्तुत किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक वृद्ध महिला अपने पुत्र के साथ मोटरसाइकिल पर जा रही थीं। इसी दौरान अचानक मोटरसाइकिल फिसल जाने से दोनों सड़क पर गिर गए। दुर्घटना में वृद्ध महिला घायल हो गईं और उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी।

उसी समय उत्तराण पुलिस इंस्पेक्टर श्री एन. जी. पटेल अपनी

सरकारी गाड़ी से वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बिना किसी विलंब के दोनों घायलों को अपनी सरकारी गाड़ी में बैठाकर निकटतम अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें तुरंत उपचार उपलब्ध कराया गया। पुलिस इंस्पेक्टर श्री एन. जी. पटेल की संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता और मानवीय सेवा की स्थानीय नागरिकों ने मुक्त कंठ से सराहना की। उनकी यह सराहनीय पहल एक बार फिर यह साबित करती है कि सूरत पुलिस जनसेवा और मानवता के मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। इस मानवीय एवं प्रेरणादायक कार्य की सराहना करते हुए पत्रकार जयुभाई बी. टांक ने पुलिस इंस्पेक्टर श्री एन. जी. पटेल से रूबरू मुलाकात कर उन्हें बधाई दी तथा उनकी सेवा भावना और मानवता के प्रति समर्पण की प्रशंसा की। ऐसी सेवाभावी और मानवीय कार्यशैली से सूरत पुलिस के प्रति नागरिकों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

युवाओं के कल्याण और भविष्य से बढ़कर कुछ नहीं, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

पेपर लीक पर मोदी बोले- फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएंगे

»नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऐलान किया कि पेपर लीक के दोषियों को सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाए जाएंगे। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

पीएम का यह ऐलान कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष के प्रदर्शन के बीच आया है। सीजेपी पिछले 34 दिन से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है।

वहीं, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक 26 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। वे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं उनका इलाज चल रहा है। पीएम मोदी ने X पर पोस्ट कर कहा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके।

भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इनका गठन 11वें वित्त आयोग की सिफारिश पर किया गया था। आयोग ने देशभर में 1734 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के लिए स्पेशल फंड की अनुशंसा की थी। फास्ट ट्रैक कोर्ट का रिकॉर्ड भी बेहतर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, रेप और POCSO मामलों के लिए बनी फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 2019 से 2025 तक 3.06 लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। इन अदालतों में मामलों के निपटारे का रेट 96.28% है, यानी जितने नए मामले आए, लगभग उतने ही मामलों का निपटारा भी हुआ। हालांकि, नए मामले लगातार दर्ज होने के कारण 2025 के अंत तक 2.45 लाख से ज्यादा मामले पेंडिंग थे, जबकि 2024 के अंत में यह संख्या 2.04 लाख थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जुलाई को NDA संसदीय दल की बैठक में कहा कि NEET पेपर लीक की खबर मिलते ही सरकार ने तुरंत कार्रवाई की। इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहे, इसलिए दोबारा परीक्षा कराई गई और समय पर परिणाम भी घोषित किए गए।

पीएम ने कहा कि आगे ऐसी घटनाएं रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं और दोषियों को देश के शीर्ष वकीलों की मदद से कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी, ताकि भविष्य में कोई ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि NEET पेपर लीक कोई राजनीतिक या दलगत मुद्दा नहीं, बल्कि देश के युवाओं और उनके भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राहुल के आरोपों का जवाब दिया। नड्डा ने कहा- राहुल बताएं जब कांग्रेस सरकारों में पेपर लीक होते हैं तब वे सवाल क्यों नहीं उठाते।

सरकार बोली-कॉकरोच पार्टी को 4 बार बातचीत के लिए बुलाया

CJP ने कहा- बात करनी है तो सरकार जंतर-मंतर आए; कल देशभर में प्रदर्शन का ऐलान

»नई दिल्ली

सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी यानी CJP के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 24 घंटे में CJP को जेपी नड्डा के घर या ऑफिस पर बातचीत के लिए 4 बार प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

हालांकि, CJP ने कहा है कि सरकार को बात करनी है तो जंतर-मंतर आए या फिर किसी न्यूट्रल जगह पर चर्चा करे। हम किसी के घर या ऑफिस नहीं जाएंगे।

इधर, कॉकरोच जनता पार्टी ने अब 24 जुलाई को देशभर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन का ऐलान किया है। प्रदर्शनकारी NEET पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर CJP के नेतृत्व में छात्रों का प्रदर्शन 20 जून से जारी है। 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था।

वहीं, इस आंदोलन में शामिल सोनम वांगचुक के अनशन का आज 26वां दिन है। मेदांता में भर्ती वांगचुक ने कहा है कि सरकार प्रदर्शनकारियों पर एक्शन न लेने का आश्वासन दे तो मैं अनशन तोड़ दूंगा। भूख हड़ताल के 26वें दिन मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक की हालत स्थिर है। वांगचुक गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में हैं और पूरी तरह कॉन्शियस हैं। डॉक्टरों की एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम उनका इलाज कर रही है। गुरुवार को अस्पताल से जारी एक बयान के अनुसार, उनकी हालत में कोई बदलाव नहीं हुआ है, महत्वपूर्ण पैरामीटर सीमा के भीतर हैं, और सफदरजंग अस्पताल से यहां लाए जाने के बाद उनकी सहमति से ही सभी चिकित्सा देखभाल दी जा रही है।

लश्कर के 2 आतंकियों के घर IED लगाकर ढहाए गए

»श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रशासन ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के दो आतंकियों के घर IED लगाकर ध्वस्त कर दिए। यह कार्रवाई लाल चौक में पुलिस बल के हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या के एक दिन बाद की गई।

अधिकारियों के मुताबिक, जिन आतंकियों के मकान गिराए गए उनमें बिजबेहड़ा के गुरी गांव निवासी आदिल ठोकर और हसनपोरा निवासी हारून गनई शामिल है।

मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कॉन्स्टेबल कुरैशी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमले में ये दोनों आतंकी भी शामिल थे। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग स्थित लाल चौक पर आतंकियों ने इस कायराना वारदात को अंजाम दिया था। भारतीय रिजर्व पुलिस और एसओजी (SOG) से जुड़े हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात थे। जिस वक्त यह हमला हुआ, उस समय खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रुकी हुई थी।

दोपहर करीब 12:30 बजे आतंकियों ने आतंकियों ने उन्हें बहुत करीब से निशाना बनाया और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। हमले के बाद आतंकी भाग गए।

इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज (GMC) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शहीद जवान आशिक हुसैन के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। दोनों 2018 से सक्रिय बताए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, आदिल ठोकर लश्कर-ए-तैयबा (LeT) से जुड़ा है, जबकि मौजूदा खुफिया जानकारी के मुताबिक हारून गनई हिजबुल मुजाहिदीन (HM) से संबद्ध है। हालांकि, एक अन्य अधिकारी के बयान में दोनों को LeT का आतंकी बताया गया है। आदिल ठोकर 2018 में पंजाब के अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान गया था। वहां उसने आतंकी शिविरों में ट्रेनिंग ली और पिछले वर्ष किसी समय फिर जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ कर लौट आया। हमले के बाद सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूरे कश्मीर घाटी में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2,000 से अधिक ओवर ग्राउंड वर्कर्स (OGW) को हिरासत में लिया गया है।

भारत से दक्षिण-कोरिया तक 7000KM लंबी बादलों की बेल्ट

गुजरात के उमरगाम में16 घंटे में हुई 43 इंच बारिश, महाराष्ट्र में कई ट्रेनें कैंसिल

»नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर

नई सैटेलाइट इमेज में भारत के हिमालय से दक्षिण कोरिया तक 7 से 10 हजार किलोमीटर लंबी बादलों की बेल्ट दिखाई दे रही है। इससे पूरे देश में भारी बारिश हो रही है। इसी वजह से देश में पिछले 2 दिनों में नॉर्मल से 170-180% बारिश हुई है।

इसे मानसून कन्वर्जेंस जोन कहा जाता है। यह तब बनी जब हिंद महासागर से आई नमी भरी हवाएं एशिया की तरफ आईं। इस वजह से मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी, पंजाब, बिहार, छत्तीसगढ़ और गुजरात में लगातार 60 घंटे से बारिश हो रही है।

गुजरात के दक्षिण गुजरात में भारी बारिश से बाढ़ के हालात हैं। उमरगाम तालुका में 16 घंटों में 43 इंच बारिश दर्ज की गई है। इससे निचले इलाके डूब चुके हैं।

महाराष्ट्र के तटीय पालघर जिले में बाढ़ के हालात हैं। दहानू और तलासरी तहसीलों के कई गांवों का संपर्क टूट गया है। पश्चिम रेलवे ने एहतियात के तौर पर घोलवड़ और उमरगाम स्टेशनों

के बीच रेल यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया है।

यूपी में आज 69 जिलों में बारिश का अलर्ट है। उधर, असम में बाढ़ से 6.53 लाख लोग प्रभावित हैं। 24 घंटे में 10 लोगों की मौत हो गई। अब तक मृतकों की संख्या 41 पहुंच गई है। गुजरात के दक्षिणी जिले वलसाड में भारी बारिश के बीच राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। प्रशासन की मदद के लिए फिलहाल तीन NDRF और पांच SDRF टीमें तैनात हैं। इसके अलावा नई दिल्ली से दो अतिरिक्त NDRF टीमें गुरुवार शाम तक वलसाड पहुंचेंगी।

जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, बचाव और राहत कार्यों को मजबूत करने के लिए 70 जवानों की एक सेना की टुकड़ी भी वलसाड भेजी जा रही है। उनके साथ पांच नावें भी होंगी। इसके अलावा 25 कर्मियों की फायर विभाग की टीम भी मौके पर तैनात की जा रही है। सभी टीमें जिला प्रशासन के साथ मिलकर बचाव, राहत और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम करेंगी। यह कार्रवाई जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के मद्देनजर की जा रही है।

संपादकीय

जनमानस को समझने में विफल विपक्ष

पिछले एक महीने में राष्ट्रीय राजनीति तथा संसद का समीकरण जिस तरह से बदला है उसकी कल्पना किसी को नहीं थी। क्या भाजपा या राजग विरोधी दलों, नेताओं में से किसी ने सोचा था कि बंगाल का चुनाव परिणाम आते ही ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस टूट जाएगी और उसके 28 में से 20 लोकसभा सदस्य अलग समूह बनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के समर्थन की घोषणा करेंगे?

इस सिलसिले की शुरुआत आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने से हुई। टीएमसी के राज्यसभा सदस्यों के भी इस्तीफे हो रहे हैं। एक तरह से ममता बनर्जी का खुद की तृणमूल पर कोई अधिकार नहीं रह गया है। उद्धव ठाकरे की बची-खुची शिवसेना भी उनके हाथ से फिसलती जा रही है।

बीते दिनों उनके छह सांसद राजग के साथ चले गए। पहले भी कुछ सांसद एवं विधायक एक दल छोड़कर दूसरी ओर गए हैं, लेकिन इस तरह की घटना राष्ट्रीय राजनीति में पहले कभी नहीं हुई। माहौल ऐसा बन गया है कि अनेक पार्टियों के शीर्ष नेता दिन-रात इस भय में हैं कि पता नहीं उनके कितने सांसद या विधायक अचानक साथ छोड़कर दूसरी ओर जाने की घोषणा कर दें।

पहली दृष्टि में ऐसा लगता है कि भाजपा अंदर ही अंदर नेताओं को दल-बदल के लिए तैयार करा रही है, पर क्या यही सच है? कांग्रेस या अन्य पार्टियां भाजपा पर भले आरोप लगाएं, किंतु इस प्रक्रिया से उन सबको भयभीत होना चाहिए, जो बदलते हुए सामूहिक राष्ट्रीय मानस और धारा के विपरीत काम कर रहे हैं।

विपक्ष के इस आरोप को स्वीकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा ने ईडी, सीबीआइ, इनकम टैक्स और अन्य दबावों से यह स्थिति पैदा की है। इतनी बड़ी संख्या में सांसद और विधायक वर्षों का साथ छोड़कर सीधे भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ जा रहे हैं तो यह परिघटना सामान्य नहीं मानी जाएगी। इनमें से कितने सांसद, विधायक होंगे जिनके विरुद्ध भ्रष्टाचार के मामले हैं?

सारे सांसदों, विधायकों में से बहुत कम पर भ्रष्टाचार या अपराध के संगीन मामले हैं। बदलते घटनाक्रम में शरद पवार और सुप्रिया सुले के कदमों ने जता दिया है कि इन सबमें बुद्धिमान वही निकले। अगर शरद पवार ने राजग के साथ जाने का संकेत नहीं दिया होता तो उनके आठ में से छह सांसद और सभी दसों विधायक साथ छोड़कर चले जाते।

हालांकि शरद पवार ने राष्ट्रीय स्तर पर बदलती राजनीति, जनमानस और धारा को समझने में काफी देर की। अगर वह पहले समझ गए होते और महाविकास आघाड़ी या आइएनडीआइए के सपने में नहीं जीते तो उनकी पार्टी एक होती और शीर्ष नेता वही माने जाते।

सांसदों-विधायकों के टूटने की घटना को गत 17 अप्रैल को 131वें संविधान संशोधन विधेयक के लोकसभा में गिर जाने से भी जोड़कर देखा जा रहा है। यानी विपक्षी दलों के सांसदों के अंदर भय पैदा हो गया है कि महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण का हमने समर्थन नहीं किया और विरोध में चले गए तो हम कभी जीत नहीं पाएंगे, किंतु इसी कारण केवल सांसद और विधायक भाजपा या राज्य की ओर आ रहे हों, यह मान लेना भी पूरी स्थिति का सामान्य विश्लेषण होगा।

बंगाल के बारे में कहा जा सकता है कि वहां सत्ता में आने वाली पार्टी लंबे समय रहती है और पूर्ववर्ती सत्तारूढ़ पार्टी लगभग समाप्त हो जाती है। इसलिए जिन सांसदों, विधायकों को लग रहा है कि अब तृणमूल कांग्रेस का समय गया तो वे उसका साथ छोड़ रहे हैं। हालांकि यह भी एक कारण हो सकता है, पर संपूर्ण नहीं। कई बार हम तात्कालिक परिणाम या घटनाओं के विश्लेषण में बहुत सारे तथ्यों की अनदेखी कर देते हैं। दरअसल 2014 का चुनाव परिणाम भारतीय राजनीति में युगांतकारी परिवर्तन का संकेतक था। राष्ट्र-भाव की प्रबल भूमिका उसमें स्पष्ट दिख रही थी और आगे भी उतार-चढ़ाव के साथ भाजपा की विजय में इस एक कारक की अंततः प्रमुख भूमिका रही है। बंगाल में हिंदुओं के बहुत बड़े वर्ग ने ममता बनर्जी की मुस्लिमपरस्त और हिंदू विरोधी राजनीति के विरुद्ध विद्रोह कर भाजपा के पक्ष में मतदान किया। विपक्ष ने 2024 लोकसभा चुनाव परिणाम का अपने अनुसार गलत आकलन किया।

सूरत शहर-जिले में भारी बारिश : स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रफुलभाई पानशेरिया के मार्गदर्शन में कामरेज तालुका में राहत एवं बचाव कार्य तेज

स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और संगठन की टीम ने पूरी रात मुस्तैदी से डटे रहकर प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, गुरुवारः स्वास्थ्य राज्य मंत्री एवं कामरेज के विधायक श्री प्रफुलभाई पानशेरिया के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन और लगातार निगरानी में भारी बारिश की स्थिति से निपटने के लिए कामरेज क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है।

मंत्री श्री के निर्देशानुसार तालुका पंचायत के अध्यक्ष कौशलभाई, सुचेतनभाई, महेशभाई, जिला पंचायत सदस्य परेशभाई, वेलंजा की कॉरपोरेटर मनीषाबेन खेर, प्रफुलभाई, जयसुखभाई अजोड़िया, तालुका पंचायत सदस्य किशोरभाई दूधात सहित जिला एवं तालुका पंचायत की पूरी टीम तथा संगठन के कार्यकर्ता पूरी रात प्रशासन के साथ मुस्तैदी से डटे रहे। संयुक्त टीम ने निचले एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों से परिवारों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया।

चिखली गांव के सिंगोड़ी फलिया में जलभराव की स्थिति को देखते हुए कुल 31 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया। इनमें से 18 लोगों को स्थानीय विद्यालय में तथा 13 लोगों को उनके रिश्तेदारों के यहां ठहराया गया। सभी प्रभावित लोगों के लिए सुबह के नाश्ते सहित आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं।

राजीवनगर और रामकिशन कॉलोनी से स्थानांतरित किए गए लगभग 100 से 110 प्रभावित लोगों को सुरक्षित आश्रय प्रदान किया गया है। यहां ठहरे लोगों के लिए भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयों तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

मंत्री श्री प्रफुलभाई पानशेरिया लगातार वर्षा की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ निरंतर संपर्क में रहकर आवश्यकता अनुसार राहत एवं बचाव सामग्री उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं।

भारी वर्षा की इस परिस्थिति में स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री प्रफुलभाई पानशेरिया ने सभी नागरिकों से धैर्य बनाए रखने तथा सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील की है। उन्होंने लोगों से अनावश्यक घर से बाहर न निकलने तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी सभी निर्देशों का सख्ती से पालन करने का अनुरोध किया है। किसी भी आपात स्थिति या सहायता की आवश्यकता होने पर तुरंत स्थानीय प्रशासन अथवा कंट्रोल रूम से संपर्क करने की सलाह दी है।

दक्षिण गुजरात में भारी बारिशः मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने SEOC पहुंचकर राहत-बचाव कार्यों की समीक्षा की

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर स्थित स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (SEOC) पहुंचकर भारी बारिश के कारण विशेष रूप से दक्षिण गुजरात में उत्पन्न स्थिति की विस्तृत समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने वलसाड जिले की स्थिति को लेकर मंत्री श्री नरेश पटेल एवं जिला कलेक्टर से मोबाइल पर बातचीत कर बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की अतिरिक्त टीम भेजने का भी आश्वासन दिया।

उन्होंने सूरत एवं नवसारी के जिला कलेक्टरों से भी चर्चा कर निचले क्षेत्रों तथा जलभराव वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर तत्काल स्थानांतरित करने के निर्देश दिए।

इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव श्री एम. के. दास तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ सचिवगण भी उपस्थित रहे।

'गुजरात काउंसिल ऑफ आयुर्वेदिक एंड यूनानी सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन' के अध्यक्ष बने डॉ. जिज्ञेशकुमार पटेल

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, गुरुवारः 'द गुजरात मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एक्ट-1963' के तहत 'गुजरात काउंसिल ऑफ आयुर्वेदिक एंड यूनानी सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन, गुजरात राज्य' के नए अध्यक्ष के रूप में डॉ. जिज्ञेशकुमार उमेदभाई पटेल की नियुक्ति की गई है।

डॉ. जिज्ञेशकुमार मूल रूप से उत्तर गुजरात के मेहसाणा जिले के निवासी हैं और वर्तमान में दक्षिण गुजरात के सूरत में रहकर चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

काउंसिल के अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने के साथ ही 'द गुजरात क्लीनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट-2021' के प्रावधानों के अनुसार उन्हें गुजरात सरकार की 'क्लीनिकल एस्टैब्लिशमेंट काउंसिल' का सदस्य भी बनाया गया है। इस संबंध में 'गुजरात बोर्ड ऑफ आयुर्वेदिक एंड यूनानी सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन' के रजिस्ट्रार द्वारा जारी सूचना में गुजरात में पंजीकृत सभी आयुर्वेद एवं यूनानी शाखा के स्नातकों, चिकित्सकों तथा संबंधित सहयोगियों से इस नियुक्ति की जानकारी संज्ञान में लेने का अनुरोध किया गया है।

महापौर ने देर रात न्यू पर्वत सीवेज पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण कर पंपिंग व्यवस्था लगातार चालू रखने के दिए निर्देश

भारी बारिश के बाद जलभराव की स्थिति दूर करने के लिए SMC की लगातार और व्यापक कार्रवाई

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत

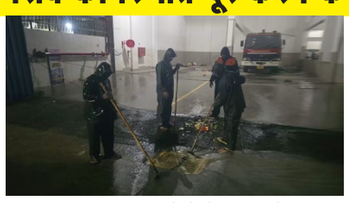
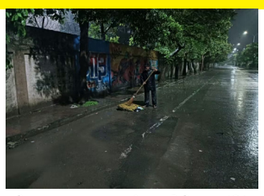

सूरत, गुरुवारः शहर में हुई भारी बारिश के बाद जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाने के लिए सूरत महानगरपालिका (SMC) द्वारा लगातार और व्यापक स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। अठवा जोन, नॉर्थ जोन-कतारगाम, उधना जोन, वराछा जोन-ए एवं बी तथा सेंट्रल जोन के सप्तश्रृंगी मंदिर, क्षेत्रपाल मंदिर, विजय वल्लभ चौक चार रास्ता, कादरशानी नाला, TNTV स्कूल, पुराने RTO, होडी बंगला, डच गार्डन, गोटालावाड़ी तीन रास्ता क्रॉसिंग, चौटा बाजार, रांदेर जोन के सरोजिनी नायडू वेजिटेबल मार्केट तथा पाल गौरव पथ रोड स्थित मोनार्क जंक्शन सहित विभिन्न क्षेत्रों में बारिश के पानी की शीघ्र निकासी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की गई। इससे जलभराव की स्थिति तेजी से सामान्य हुई और जनजीवन को सुचारु बनाने में मदद मिली। रसूलाबाद फ्लड गेट पर डीजी सेट (DG Set) चालू कर डी-वॉटरिंग का कार्य भी किया गया।

महापौर श्रीमती मायाबेन मावाणी ने स्थानीय पार्षदों और अधिकारियों के साथ देर रात न्यू पर्वत सीवेज पंपिंग स्टेशन का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने बारिश की स्थिति में चल रही पंपिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि पंपिंग व्यवस्था बिना किसी रुकावट के लगातार कार्यरत रहे। महापौर श्रीमती मायाबेन मावाणी ने उपमहापौर सुधाकर शर्मा, स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल, नगर आयुक्त एम. नागराजन तथा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) में सूरत महानगरपालिका, सूरत जिला प्रशासन एवं सूरत शहर पुलिस के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक भी आयोजित की। बैठक में संभावित वर्षा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विस्तृत चर्चा की गई तथा जनसुरक्षा, त्वरित प्रतिक्रिया और राहत कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। यदि चाहें, मैं इसे अखबार की शैली में और अधिक प्रभावशाली हेडलाइन तथा उपशीर्षक के साथ भी तैयार कर सकता हूँ।

सूरत महानगरपालिका द्वारा शहर के निचले इलाकों से प्रभावित लोगों का युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान जारी

हाई टाइड के बीच नागरिकों से घरों से बाहर न निकलने तथा सुरक्षित आश्रय लेने की अपील – मनपा आयुक्त एम. नागराजन

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, गुरुवारः पिछले 24 घंटों से सूरत सहित पूरे दक्षिण गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन की विभिन्न टीमें 24×7 राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

सूरत महानगरपालिका आयुक्त के मार्गदर्शन में लिम्बायत ज़ोन के गीता नगर से 8 लोगों, वराछा ज़ोन में शीतला माता मंदिर के पास से 2 लोगों तथा उधना ज़ोन के कृष्णा नगर, पांडेसरा क्षेत्र से 40 लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। इसके अलावा, लिम्बायत ज़ोन के मीठीखाड़ी क्षेत्र में पानी में फंसे एक व्यक्ति को सुरक्षित निकालकर उपचार के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया।

फायर एंड इमरजेंसी विभाग की टीमें विभिन्न क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग, राहत एवं बचाव कार्य कर रही हैं तथा आवश्यक स्थानों पर नाव सहित अन्य संसाधनों की मदद से लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा रहा है।

मनपा आयुक्त श्री एम. नागराजन ने बताया कि फिलहाल शहर की स्थिति नियंत्रण में है। जिन निचले क्षेत्रों में जलभराव हुआ है, वहां पानी की निकासी का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। साथ ही जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को लगातार सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर उनके रहने और भोजन की समुचित व्यवस्था भी की गई है।

आयुक्त ने हाई टाइड की स्थिति को देखते हुए शहरवासियों से अपील की है कि अत्यंत आवश्यक कार्य के अलावा घरों से बाहर न निकलें तथा सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में भारी बारिश के बीच राहत एवं बचाव कार्य तेज, 3 एनडीआरएफ और 5 एसडीआरएफ की टीमें तैनात

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरतः दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में भारी बारिश की स्थिति के मद्देनज़र जिला प्रशासन की सहायता के लिए एनडीआरएफ (NDRF) की 3 टीमें तथा एसडीआरएफ (SDRF) की 5 टीमें राहत, बचाव एवं रेस्क्यू कार्य में लगातार जुटी हुई हैं। इसके अतिरिक्त, नई दिल्ली से एनडीआरएफ की 2 और टीमें आज शाम तक वलसाड पहुंचेंगी।

इसके अलावा, भारतीय सेना के 70 जवानों की एक टीम, 5 नौकाएं (बोट) तथा फायर विभाग के 25 कर्मियों की टीम भी वलसाड भेजी जा रही है। ये सभी दल वलसाड पहुंचकर भारी बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों में जिला प्रशासन के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग करेंगे।

भारी बारिश के चलते 24 जुलाई को सूरत शहर एवं जिले के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत

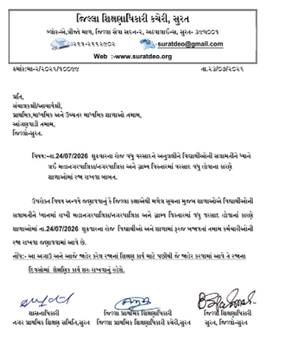

सूरत, गुरुवारः सूरत जिले में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनज़र 24 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को सूरत महानगरपालिका, नगरपालिकाओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों की सभी प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है।

यह संयुक्त निर्णय जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी तथा सूरत महानगरपालिका के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लिया गया है।

श्री ब्रह्मानंद विद्यामंदिर चापरडा में संस्कृत अध्ययन कक्ष का उद्घाटन

संस्थान के निर्माता, पूज्य मुक्तानंद बापू की कृपा से उद्घाटन

»सौ. वी. जोशी विसावदर

श्री ब्रह्मानंद विद्यामंदिर चापरडा में संस्कृत शिक्षा को और बढ़ावा देने के नेक इरादे से, गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड की आर्थिक सहायता से बनाए गए संस्कृत अध्ययन कक्ष का उद्घाटन किया गया। संस्कृत अध्ययन कक्ष का उद्घाटन संस्थान के निर्माता, श्री मुक्तानंदजी बापू के कर-कमलों से हुआ।

इसके बाद, पूज्य मुक्तानंदजी बापू ने संस्कृत भाषा की महिमा पर प्रकाश डालते हुए और आशीर्वाद देते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, ज्ञान, दर्शन, विज्ञान और आध्यात्मिक परंपरा का एक अमूल्य खजाना है। वेद, उपनिषद, भगवद गीता, रामायण और महाभारत जैसे अमर ग्रंथ संस्कृत में लिखे गए हैं, जो मानव जीवन को मूल्यवान और सुसंस्कृत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान में, नई शिक्षा नीति (NEP-2020) के तहत संस्कृत भाषा के अध्ययन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। संस्कृत का अध्ययन छात्रों में भाषा कौशल, तार्किक सोच, उच्चारण, स्मरण शक्ति और भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व की भावना विकसित करने में मदद करता है। ऐसी उम्मीद जताई गई कि यह संस्कृत कक्ष छात्रों के लिए अध्ययन, संवाद और संस्कृत गतिविधियों का एक जीवंत केंद्र बनेगा।

कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष श्री अर्जुन सिंह राठोड़, निदेशक श्री कमलेशभाई धाधल, पंजाब से आए जगदीशवरानंदजी और भंगुसिंह के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के प्रधानाचार्य श्री भाविनभाई जोशी के मार्गदर्शन में सुचारू रूप से किया गया और कार्यक्रम का संचालन समन्वयक वी.सी. ठाकर ने किया। अंत में, सभी ने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए काम करते रहने का संकल्प व्यक्त किया। जैसा कि भाविनभाई जोशी की समाचार रिपोर्ट में बताया गया है।

सूरत जिले के अंबिका तालुका में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति निचले इलाकों से 295 लोगों को सुरक्षित स्थानांतरित किया गया

अंबिका नदी और ओलण खाड़ी के जलस्तर में वृद्धि के बाद प्रशासन अलर्ट

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, गुरुवारः सूरत सहित पूरे दक्षिण गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। सूरत जिले के अंबिका तालुका में लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा के चलते बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। विशेष रूप से अंबिका नदी, ओलण नदी (खाड़ी) और कोरव खाड़ी के जलस्तर में वृद्धि तथा तरकाणी गांव के तालाब के ओवरफ्लो होने से आसपास के निचले क्षेत्रों में बाढ़ का पानी भर गया है।

स्थिति को देखते हुए अंबिका तालुका के उमरा, कांकरिया, भोरिया, वांक, हलदवा, महुवरिया और तरकाणी सहित कुल 7 गांवों से 295 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है।

प्रशासन द्वारा स्थानांतरित नागरिकों के लिए रहने, भोजन और आश्रय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके लिए उमरा मुख्य प्राथमिक विद्यालय तथा तरकाणी मुख्य प्राथमिक विद्यालय में राहत एवं आश्रय केंद्र संचालित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त स्थानीय सहयोग से कई परिवारों को उनके रिश्तेदारों के घरों तथा आसपास के ऊंचे एवं सुरक्षित मकानों में भी प्रशासन की निगरानी में पहुंचाया गया है।

गांववार आंकड़ों के अनुसार, उमरा से 60, कांकरिया से 54, भोरिया से 60, वांक से 9, हलदवा से 63, महुवरिया से 6 तथा तरकाणी गांव से 43 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है।

23 जुलाई 2026 की सुबह से ही जिला प्रशासन तथा अंबिका तालुका के मामलतदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया। प्रभावित गांवों में पहुंचकर निचले क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई की गई।

सूरत जिले के मांडवी तालुका में 49 लोगों को वी.एफ. हाईस्कूल में सुरक्षित स्थानांतरित किया गया

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत, गुरुवारः सूरत जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर लगातार राहत एवं सुरक्षित स्थानांतरण की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सूरत के मांडवी तालुका के धोबाणी नाका क्षेत्र से नगर पालिका के फायर स्टाफ द्वारा 49 लोगों को सुरक्षित रूप से वी.एफ. हाईस्कूल में स्थानांतरित किया गया। वहां सभी लोगों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने, जलभराव एवं निचले क्षेत्रों में जाने से बचने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

सीरीज शुरू होने से एक दिन पहले जिम्बाब्वे ने घोषित की टीम, त्सिगा को मौका

हरारे, एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम का एलान कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों के बीच पहला मैच गुरुवार को होगा और इससे एक दिन पहले ही टीम घोषित हुई है। 15 सदस्यीय टीम में पहली बार विकेटकीपर बल्लेबाज तफादजवा त्सिगा को शामिल किया गया है। इसके साथ ही ऑलराउंडर वेस्ली मधेवेरे और पेसर न्यूमैन न्यामहुरी की जिम्बाब्वे टी20 टीम में वापसी हुई है।

ये तीनों खिलाड़ी क्लाइव मडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा और ताशिंगा मुसेकिवा की जगह टीम में आए हैं, जो हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने वाली टीम का हिस्सा थे। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाना है। वहीं, दूसरा मैच 25 जुलाई और अंतिम मैच 26 जुलाई को होगा। सीरीज के सभी मुकाबलों की मेजबानी हरारे का हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

जिम्बाब्वे की ओर से 10 टेस्ट मैच खेल चुके त्सिगा ने अब तक सफेद गेंद की क्रिकेट में अपना डेब्यू नहीं किया है। बांग्लादेश सीरीज के दौरान टेस्ट और वनडे टीम में शामिल रहे मधेवेरे जुलाई 2025 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। वह अब तक जिम्बाब्वे की ओर से कुल 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। वहीं, न्यामहुरी चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। चोट के चलते वह बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। न्यामहुरी की जगह बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लेने वाले तनाका चिवांगा टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं।

सिकंदर रजा करेंगे अगुआई

टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथों में सौंपी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ रजा की अगुआई में जिम्बाब्वे का प्रदर्शन शानदार रहा था। टीम ने एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज को दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम किया था। हालांकि, टी20 सीरीज में जरूर जिम्बाब्वे को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने भारत की मुश्किल चुनौती होगी। हालांकि, टीम इंडिया को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा है। भारत और जिम्बाब्वे की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में हुई थी, जहां भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया था।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजारबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, और तफादजवा त्सिगा (विकेटकीपर)।

लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने पर टिकीं मीराबाई चानू की निगाहें, 48 किलो वर्ग में होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ग्लासगों में 26 जुलाई को इतिहास रचने उत्तरेंगी। चानू लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण जीतने उतरेंगी, जो उनका लगातार चौथा पदक होगा। फिर भी उनकी निगाहें राष्ट्रमंडल से ज्यादा एशियाई खेलों पर हैं। बर्मिंघम में तैयारी कर रहीं मीरा ने अमर उजाला को बताया कि किसी भी बड़े खेल से पहले खिलाड़ी की कोशिश उच्चस्तरीय फॉर्म पाने की रहती है, लेकिन वह ग्लासगो में ज्यादा जोर नहीं लगाएंगी। उनकी 200 किलो वजन उठाने की भी कोशिश नहीं रहेगी। वह अपनी पीक 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में हासिल करेगी, जहां उनकी कोशिश अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ (205 किलोग्राम वजन) को पीछे छोड़ने की होगी।

एशियाड में 49 किलो में खेलेंगी चानू

चानू ग्लासगों में 48 किलो में खेलेंगी, जबकि एशियाड में उन्हें 49 किलो में खेलना है। चानू को मालूम है कि यह 48 किलो में उनका अंतिम टूर्नामेंट है। यह भार अब ओलंपिक से बाहर हो गया है। मीरा ने इस भार में साल 2014 में रजत, 2018 में गोल्डकोस्ट में स्वर्ण और 49 किलो में बर्मिधम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चानू कहती हैं कि वह फुल लोड नहीं लेकर एशियाड के लिए अच्छी तरह रिकवरी करना चाहती हैं।

चाहकर भी नहीं बन पा रही थीं ध्वजवाहक

चानू पहली बार भारतीय दल की ध्वजवाहक बनने जा रही है। मीरा कहती हैं हैं कि उनका सपना था कि वह किसी खेल के उद्घाटन समारोह में तिरंगा उठाएं। हमेशा उद्घाटन के अगले दिन कंपटीशन रहने के चलते वह चाहकर भी ध्वजवाहक नहीं बन पाती थीं। इस बार कंपटीशन समारोह के बाद है, जिससे उन्हें यह मौका मिल गया। भारतीय टीम के कोच विजय शर्मा के मुताचिक, मीरा के सामने नाइजीरिया की रूथ असोडको और मलयेशिया की इरिन जेन हेनरी की चुनौती हैं। रूथ ने बीते वर्ष भारत में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 167 किलो से रजत और इरिन ने 161 किलो से कांस्य जीता था। ऐसे में मीरा के सामने यहां बड़ी चुनौती नहीं है।

कुलदीप ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया करार

लीड्स। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने बुधवार को इंग्लिश काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार किया है। कुलदीप मौजूदा सीजन में टीम के लिए आठ मुकाबले खेलेंगे। कुलदीप पिछले कुछ समय से भारतीय प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। लेकिन अब वह काउंटी क्रिकेट में खेलेंगे। कुलदीप वनडे कप के पांच मैच खेलने के साथ ही तीन लाल गेंद क्रिकेट के मुकाबले खेलेंगे।

यॉर्कशायर क्लब ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी देते हुए कहा, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विदेशी खिलाड़ी के तौर पर साइन करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 31 साल के कुलदीप वन डे क' के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे और इसके बाद सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी चार में से तीन मैचों के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे।

यॉर्कशायर से जुड़ने पर उत्सुक कुलदीप

यॉर्कशायर से जुड़ने पर कुलदीप ने कहा, यॉर्कशायर से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है और मैं इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशायर के गौरवशाली इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा से इंग्लिश कंडिशन्स में खेलने की चुनौती पसंद रही है और मैनेजमेंट से बात करने के बाद मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया हूं।

अनुष्का के साथ वृंदावन पहुंचे कोहली, प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन, कीचड़ में नंगे पैर चले

वृंदावन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं।

कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

रोहित ने लगाई लंबी छलांग नंबर-1 की दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स में खेली गई शानदार 138 रन की पारी का इनाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में मिला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा जारी साप्ताहिक रैंकिंग में रोहित 14 रेटिंग अंक की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अब वह शीर्ष स्थान की दौड़ में मजबूती से शामिल हो गए हैं।

डेरिल मिचेल का दबदबा

फिलहाल न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 802 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। भारत के शुभमन गिल 801 अंकों के साथ महज एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 767 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर कायम हैं। रोहित शर्मा 758 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऐतिहासिक शतक का मिला इनाम

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाए। खास बात यह रही कि वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। भारत को 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करना था। हालांकि रोहित की शानदार पारी के बावजूद टीम इंडिया 27 रन से मुकाबला हार गई और तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवा बैठी।

संन्यास की अटकलों पर रोहित का जवाब

सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से सभी सवालों का जवाब दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, 'जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से मेरे बारे में बातें होती रही हैं और जब तक मैं खेलूंगा, होती रहेंगी। मेरे लिए सबसे अहम बात मैदान पर प्रदर्शन करना और टीम की सफलता में योगदान देना है। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा।'

इंग्लैंड को भी हुआ फायदा

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जो रूट 249 रन बनाने के बाद चार स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए। बेन डकेट 11 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए। जैकब बेथेल पांच स्थान की बढ़त के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के लिए सकारात्मक संकेत

ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में भारत के तीन बल्लेबाज शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा टॉप-4 में शामिल हैं। इससे साफ है कि भारतीय बल्लेबाजी इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे मजबूत इकाइयों में से एक बनी हुई है। खास तौर पर गिल और रोहित की हालिया फॉर्म ने नंबर-1 रैंकिंग की जंग को बेहद रोमांचक बना दिया है।

इंग्लैंड में नहीं चला बल्ला, जिम्बाब्वे के खिलाफ दम दिखाने के लिए तैयार वैभव, आत्मविश्वास बरकरार

हरारे। भारतीय बल्लेबाजी के उभरते युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया है कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 सीरीज से पहले वैभव का आत्मविश्वास पूरी तरह से बरकरार है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज होनी है जिसका पहला मैच गुरुवार को हरारे में खेला जाएगा।

टीम में बनाई जगह

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टी20 टीम में जगह बनाई थी। बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में दूसरे टी20 में उन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए।इसके बाद वैभव ने अगले तीन मैच खेले, लेकिन वह केवल मामूली स्कोर ही बना सके। पांचवें और अंतिम टी20 में संजू सैमसन की वापसी के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। भारत यह सीरीज 0-4 से हार गया। महज तीन पारियों के बाद युवा सलामी बल्लेबाज को बाहर करने के टीम प्रबंधन के फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाए और आलोचना की। अंतिम मैच से बाहर किए जाने के बाद यह युवा खिलाड़ी भावुक नजर आया था। कम उम्र में ऐसी निराशाओं का सामना करने पर सूर्यवंशी ने बताया कि आसपास के लोगों से मिले समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने और ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

प्रक्रिया का पालन जरूरी

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा होता रहेगा। लेकिन मुझे प्रक्रिया का पालन करना है और टीम के लिए अपना 100 प्रतिशत देना है। यह एक स्वाभाविक बात है कि मुझे जिस मार्गदर्शन या अभ्यास की आवश्यकता है, कोच मुझे वह उपलब्ध करा रहे हैं। बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास भी है।फरवरी में भारत के सफल अंडर-19 विश्व कप अभियान में सूर्यवंशी की अहम भूमिका रही थी। इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रनों की तूफानी पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाया था। इस मैदान की यादों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बहुत ही यादगार मैदान है। सिर्फ चार महीने पहले हमने यहां अंडर-19 विश्व कप का फाइनल खेला और जीता था। भारत का प्रतिनिधित्व करना हर किसी का सपना होता है और यह एक बहुत खास पल है।

'सिटी ब्यूटीफुल' फिल्म मेरे लिए घर वापसी जैसा है

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ 'डिस्को सिंह' में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और 'सिटी ब्यूटीफुल' वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, 'इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।' अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'मोमाकू' में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम 'मोटर, माचिस और कटर' है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने 'पिंकी' नाम की मुख्य भूमिका निभाई हैं। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।

ओटीटी के बोल्ड कंटेंट पर ईशा सिंह ने रखी बेबाक राय

टेलीविजन अभिनेत्री ईशा सिंह रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 में नजर आई थीं। वह शो की फाइनलिस्ट बनीं और शानदार तरीके से खेलते हुए छठे स्थान पर रही थी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में हाल ही में ओटीटी और टीवी रियलिटी शोज की बात की। उन्होंने बताया कि ओटीटी रियलिटी शोज 'अलायंस' और 'लॉक-अप' लोगों की असलियत दिखा रहे हैं। लोग अगर गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो वो उनकी असलियत है। असल जिंदगी में लोग अक्सर ऐसे ही बात करते हैं। अभिनेत्री रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 का हिस्सा रह चुकी हैं। उनसे जब 'लॉक अप' और 'अलायंस' जैसे शो से आने वाले बोल्ड कंटेंट के बारे में पूछा, तो अभिनेत्री ने बताया कि यह शो ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहे हैं, तो उनके पास सीन हो या भाषा के लिए ज्यादा आजादी है। अभिनेत्री ईशा सिंह ने कहा, 'देखिए, जब हमारे दर्शक इन शो को देखते हैं, तो वे बोलते हैं कि ऐसी अभद्र भाषा में बात कर रहे हैं। मेरा मानना है कि लोग असल जीवन में ऐसे ही बात करते हैं, हालांकि फर्क बस इतना है कि ओटीटी शोज में दिखता है, जबकि बिग-बॉस टीवी पर प्रसारित होता है, इसलिए उसमें एडिट कर दिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि टेलीविजन में ओटीटी के मुकाबले पाबंदियां थोड़ी ज्यादा हैं, जिससे क्रिएटर्स किरदारों को ज्यादा असली तरीके से दिखा पाते हैं। उन्होंने कहा, 'देखिए, कोई संत नहीं है। सब ऐसे ही बातें करते हैं। स्क्रीन के मुकाबले लोग असल जीवन में बिल्कुल अलग होते हैं। मुझे लगता है कि ठीक है अभी लोग भी इसे पसंद कर रहे हैं। वे 'लॉक अप' और 'बिग बॉस' देख रहे हैं। मुझे लगता है कि लोगों को बस पसंद आना चाहिए।' अभिनेत्री ईशा सिंह इस समय कलर्स टीवी के नए शो 'जूही मुई' में मुख्य भूमिका (जूही सूरी का किरदार) निभा रही हैं। यह शो एक ऑटिज्म से जूझ रही प्रतिभाशाली लड़की की प्रेरणादायक कहानी है, जो अपने परिवार की संपत्ति बचाने के लिए खुद वकील बनती है।

फिल्म 'रणबाली' में पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म 'रणबाली' का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिप्टिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के 'रणबाली' अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'रणबाली' के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूं या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं!'

हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी अक्षरा सिंह

अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन हैं। अभिनय से लेकर सिंगिंग तक, हर क्षेत्र में उनका सिक्का चलता है। अक्षरा अब भोजपुरी सिनेमा से निकलकर दूसरी इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बना रही हैं। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस घिस' गाने में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्हें श्रद्धा कपूर की 'ईठा' में भी देखा जाएगा। इसके अलावा अब वे हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी। भोजपुरी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने आर्य मासूम शर्मा के साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों हंसते-मुस्कुराते पोज दे रहे हैं। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती है। पोस्ट के साथ अक्षरा सिंह ने कैप्शन लिखा है, 'दो अलग मिट्टी का स्वैग, एक ही वाइब। तैयार हो इस कोलैब के लिए'? अक्षरा सिंह व्हाइट कलर के सूट में नजर आ रही हैं, जिस पर पिंक और ब्लू फ्लॉवर प्रिंट है। वहीं, मासूम शर्मा को डेनिम जींस और टी-शर्ट में देखा जा सकता है। बता दें कि आर्य मासूम शर्मा जिन्हें मासूम शर्मा के नाम से जाना जाता है, वे हरियाणा के मशहूर गायक, गीतकार और संगीतकार हैं।

'ईठा' में नजर आएंगी अक्षरा

'वेलकम टू द जंगल' के बाद अब अक्षरा सिंह को श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'ईठा' में भी देखा जाएगा। हालांकि, अक्षरा ने 'ईठा' में अपने रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। मगर, फिल्म का हिस्सा बनने पर वे बेहद उत्साहित हैं।

'हेरा फेरी 3' विवाद पर बोले परेश रावल

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वो 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी। परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि 'मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूं।' यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वही 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइजी के अकेले मालिक हैं। साथ ही 'आवारा पागल दीवाना', 'वेलकम' और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी। जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल जाती, मैं कोई कमिटमेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, 'मैं कानूनी मामलों में क्यों घिसट रहा हूं? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूं या इसमें फंसने के लिए?' मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता। जब भी 'हेरा फेरी 3' बनेगी मैं उसमें काम करूंगा फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्ट या प्रोड्यूस करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूं। जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठे थे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया। हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

पहले मैं जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रही हैं। साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भले ही कम फिल्में की हों, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म 'मगाधीरा' हो या अजय देवगन के साथ 'सिंघम', अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रहीं काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्में करती थीं। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी।

जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

अपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं, 'यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे ऐक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशनसीब हूं। हालांकि, इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो वो कल्चर समझा। वहां रहना, अडजस्ट करना, तब मैं मुंबई आती ही नहीं थी। साल में शायद 2 दिन, दिवाली और मेरा जन्मदिन या दिवाली और नया साल ही मुंबई में मनता था, वरना 363 दिन मैं सिर्फ ट्रैवल और शूट करती थी। मैं एक साल में 7 से 8 फिल्में करती थीं। मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। जब मेरे दोस्त जिंदगी एंजॉय कर रहे थे, मैं सिर्फ काम कर रही थी। मुझे जिंदगी का मजा लेने का मतलब ही नहीं पता था।'

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है, मैं मंदोदरी

काजल नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म 'रामायण' में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उस अनुभव के बारे में वह बताती हैं, 'बहुत ही अलग और अद्भुत अनुभव रहा है। जब हम लोग शूट करते हैं या शॉट्स देते हैं तो यह समझ आता है कि ये किस मुकाम तक जाएगी। उसका स्केल दिखाई देता है कि वह वर्ल्ड सिनेमा के लिए बनी है। मेरे लिए तो ये बड़े गर्व की बात है कि ये सारा कमाल हमारी भारतीय प्रतिभाएं इतनी खूबसूरती से कर रही हैं। वहीं, रामायण का बेटे से जुड़ाव के बारे में मजेदार किस्सा शेयर करते हुए कहती हैं, नील को रामायण पसंद है। उसे पता है कि मंदोदरी कौन है तो मैंने बताया है कि मम्मा इसमें मंदोदरी का रोल कर रही है, तो वह खेल-खेल में कहता है कि मैं रावण हूं, तुम मंदोदरी हो तो मैं कहती हूं कि ठीक है, वेरी गुड, चलो खेलते हैं।

मां होने के नाते खाने में मिलावट डराती है

अपनी फिल्म द इंडिया स्टोरी में खाने, दूध, फल आदि में मिलावट के मुद्दे को उठा रहीं काजल एक मां के तौर पर खुद इस विषय से काफी कनेक्टेड महसूस करती हैं। वह कहती हैं, 'एक मां होने के नाते इन चीजों के बारे में सोचकर डर लगता है। हमें पता ही नहीं है कि हमारे बच्चे के सेहत के लिए क्या ठीक है, क्या नहीं? खाना हो, फल हो, दूध हो, आप बड़े से बड़े स्टोर पर भी भरोसा नहीं कर सकते। आपको पता ही नहीं कि अपने बच्चे को क्या खिला रहे हैं? तो हमें ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में, यह फिल्म आंखें खोलने वाली रही। जो रिसर्च हमारे डायरेक्टर डीके चेतन ने दिखाए वह काफी डरावने थे। काजल का जोर अब मजबूत या मुद्दे वाली फिल्मों पर ज्यादा दिख रहा है। क्या फिल्मों के चुनाव को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर वह कहती हैं, बिल्कुल, आपकी सोच, चॉइस वक्त के साथ बदलती है, क्योंकि जिंदगी आपको मौके भी देर से देती है। आप जब अपने काम में सेटल हो जाते हैं, तब प्रयोग करना शुरू करते हैं। शुरू में तो मैं खुद को स्थापित करने में ही इतनी व्यस्त थी कि बाकी कुछ सोचने का वक्त ही नहीं था। हर फिल्म को हां बोलती थी। साल में 8 फिल्में कर लेती थी।' मगर क्या मां बनने का असर भी इस चुनाव पर पड़ा है? इस पर उनका कहना है, 'ऐसी कोई लिस्ट नहीं है जो मैं फॉलो करती हूं। जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूं, तब मुझे पता चल जाता है कि ये मैं करूंगी, लेकिन ये नहीं सही लग रहा तो नहीं करूंगी, लेकिन बेटा जेहन में रहता है तो अंदर से एक फिल्टर रहता है।'

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR